अक्टूबर-दिसंबर में शुगर प्रॉडक्शन में 26% बढ़ोतरी

[पीटीआई । नई दिल्ली]

देश का चीनी उत्पादन मौजूदा सत्र की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में 26 पर्सेंट बढ़कर 103.26 लाख टन हो गया। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने यह जानकारी दी है। चीनी का सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है। इससे पिछले सत्र की समान अवधि में मिलों ने 81.91 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था।

आईएसएमए का अनुमान है कि चालू 2017-18 के सत्र में चीनी का कुल उत्पादन 251 लाख टन रहेगा। पिछले साल यह 2.02 करोड़ टन रहा था। इस साल चीनी की खपत 2.50 करोड़ टन रहने का अनुमान है। आईएसएमए ने ताजा आंकड़े जारी करते हुए कहा कि चीनी उत्पादन वृद्धि में मुख्य योगदान दो प्रमुख उत्पादक राज्यों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का रहा है। उत्तर प्रदेश में अक्टूबर-दिसंबर में चीनी उत्पादन बढ़कर 38.80 लाख टन पर पहुंच गया, जो पिछले साल समान अवधि में 26.78 लाख टन था। राज्य में चीनी की औसत रिकवरी दर ऊंचे स्तर पर 10.15 पर्सेंट रही। महाराष्ट्र में उत्पादन बढ़कर 38.24 लाख टन रहा, जो एक साल पहले समान अवधि में 25.35 लाख टन था। चीनी की रिकवरी दर 10.23 पर्सेंट रही। तीसरे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक में इस अवधि में उत्पादन बढ़कर 16.17 लाख टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 15.43 लाख टन था। अक्टूबर-दिसंबर में गुजरात में चीनी उत्पादन 3.70 लाख टन, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना में 1.90 लाख टन, तमिलनाडु में 1.70 लाख टन, बिहार में 1.65 लाख टन, हरियाणा में 1.80 लाख टन, पंजाब में 1.60 लाख टन, उत्तराखंड में 1.20 लाख टन और मध्य प्रदेश में 1.30 लाख टन रहा। सरकार ने सितंबर 2017 में तीन लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति दी थी। आईएसएमए ने बताया कि इसमें से 2.35 लाख टन कच्ची चीनी का आयात किया जा चुका है। इसमें से दो लाख टन रिफाइंड चीनी है।